राधा रहस्य:कौन थी राधा?

VED
VIJYAN

प्रथम तो मैं आपको यह बता देना चाहता हूँ कि कृष्ण जी उपकुर्वाण ब्रह्मचारी थे, कोई रास वास नहीं रचाते थे और लगभग बारह वर्ष कि आयु में मथुरा चले गए थे| आगे दोबारा वही प्रश्न उठता है फिर *कौन थी राधा*|कृष्ण भक्ति के नाम पर श्रीमद्भागवत कथा का प्रचलन यदा-कदा होता रहता है और कथावाचक महोदय दो वाक्यों के बाद ही कह उठते हैं बोलो राधे-राधे। राधे राधे शब्द अब एक अभिवादन के रूप में भी प्रचलित हो रहा है।

राधा रहस्य:कौन थी राधा?

VED
VIJYAN

चलिए प्रमाणों से जानते है
वास्तव में कौन थी राधा|
बुद्धिमानो को संकेत मात्र
भी पर्याप्त है और मूर्खों को
प्रमाण भी अप्रयाप्त। इस
कारण सत्य केवल बुद्धिमान
व्यक्तियों के लिए है।

VEDVIJYAN

राधा रहस्य:कौन थी राधा?

VED
VIJYAN

1. महाभारत-- कृष्ण के जीवन से संबंध रखने वाला सर्वप्रथम ग्रंथ महाभारत ही है। वही सबसे प्रमाणिक और मान्य है।इस बृहद्काय ग्रंथ में कृष्ण की प्रेमिका राधा का कोई संकेत मात्र भी नहीं है। यदि राधा नाम है तो वो कर्ण को पालने वाली माता का है जिसके आधार पर कर्ण को "राधेय" कहा जाता था।

2.हरिवंश पुराण-- ये महाभारत का अंतिम पर्व है।ये उन 18 पुराणों से भिन्न है।इसमें कृष्ण के वंश का सविस्तार वर्णन है, इसे महाभारत का परिशिष्ट कहा जाता है,इसमें भी राधा का कोई संकेत नहीं।

राधा रहस्य:कौन थी राधा?

VED VIJYAN

3.विष्णु पुराण-- ये गप्प पुराण विष्णु को प्रमुख देवता मान कर लिखा गया।कृष्ण की अन्य लीलाओं का वर्णन होने पर भी इसमें भी राधा नहीं है।

VEDVIJYAN

राधा रहस्य:कौन थी राधा?

VED
VIJYAN

4.श्रीमद्भागवत महापुराण-- जो लोग भागवत पढ़ते है वे अच्छी तरह जानते है कि भागवत में कहीं भी राधा का नाम नहीं। भगवतकारों ने कृष्ण के चरित्र पर कई लांछन लगाए जैसे माखन चुराना, स्त्रियों के कपड़े उठा लेना,गोपियों के साथ रास लीला करना। पर राधा गायब है।फिर ये अब राधा कहां से आ गई। इसका सीधा अर्थ यही है कि भागवत लिखे जाने तक कृष्णजी के प्रसंगों में राधा नाम के किसी पात्र की कल्पना हुई ही नहीं थी।

राधा रहस्य:कौन थी राधा?

VED
VIJYAN

5.एक लेख "राधा कौन थी" के अनुसार पं• माखन लाल चतुर्वेदी के मार्ग दर्शन में 'सूर काव्य में राधा तत्व' पर किसी ने खोज कार्य किया। उनके परिणाम के अनुसार वे इस निर्णय पर पहुंचे की प्रथम तो कृष्ण की प्रेमलीलाओं का वर्णन तो है पर भागवत पुराण तक राधा का नाम तक नहीं। उनके अनुसार ईशा की प्रथम शती में प्रतिष्ठानपुर के राजा 'हाल'{सातवाहन} की गाहा सतसई में प्रथमत: राधा का उल्लेख मिलता है। फिर बाद में सब ने यह नाम लेना शुरू कर दिया।

राधा रहस्य:कौन थी राधा?

VED
VIJYAN

6. अन्य लेख "आराधिका राधिका" में लावण्यप्रभा राय लिखा है --आश्चर्य है वैष्णवो के वेद, श्रीकृष्ण की लीलाओं के शिरोमणि, श्रीमद्भागवत पुराण में कहीं भी राधा का उल्लेख नहीं।

VEDVIJYAN

राधा रहस्य:कौन थी राधा?

VED VIJYAN

7. राधा और उसके का सबसे ज्यादा उल्लेख ब्रह्मवैवर्त पुराण में ही मिलता है।इस पुराण के लिए डॉ० भवानीलाल भारतीय ने एक पुस्तक 'ब्रह्मवैवर्त पुराण: एक सरल समीक्षा' में कहा कि इस पुराण की रचना केवल इसलिए की गई क्योंकि कवियों द्वारा श्री कृष्ण का और राधा का जो वर्णन किया गया उसे सही सिद्ध किया जा सके।

VEDVIJYAN

राधा रहस्य:कौन थी राधा?

VED
VIJYAN

8.यदि आप गलती से भी ब्रह्मवैवर्त पुराण को सत्य मानते हैं तो आपकी जानकारी के लिए मैं कुछ प्रमाण देना चाहता हूं--
अ.ब्रह्मवैवर्त पुराण के पांचवें अध्याय में पुराण राधा को कृष्ण की पुत्री साबित किया।
ब.इसी पुराण के कृष्ण जन्म खंड के अध्याय 15 में कृष्ण को एक छोटा सा बालक व राधा को एक वयस्क बताया है।
अब आप ही सोच में कि क्या यह विश्वसनीय है?

राधा रहस्य:कौन थी राधा?

VED
VIJYAN

इतने प्रमाण देने के बाद भी जिसकी
बुद्धि के तार नहीं हिलते उसमें हमारा
क्या दोष।
क्योंकि
चाणक्य पहले ही कह गए हैं की
जिस मूर्ख में स्वयं की बुद्धि नहीं
शास्त्र उसका क्या कर लेंगे।
अंधे का कांच क्या भला करेगा।
उल्लू को दिन में नहीं दिखता।
इसमें सूर्य का क्या दोष।